श्री लक्ष्मी जी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता,

तुमको निस्दिन सेवत, हरि विष्णु विधाता। ॐ

उमा, राम, ब्रह्माणी, तुम ही जग माता,

सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गता। ॐ

दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-संपत्ति दाता,

जो तुम्हें ध्याता, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता। ॐ

तुम ही हो पाताल निवासिनी, तुम ही शुभ दाता

कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता। ॐ

जिसके घर में तुम रहो, सब सद्गुण आते हैं,

सब संभव हो जाते हैं, मन नहीं घबराता। ॐ

तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न कोई पाता,

खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता है। ॐ

शुभ गुण सुंदर मुक्ता क्षीर निधि जाता,

रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता। ॐ

महा लक्ष्मी जी की आरती जो कोई नर गता,

उर आनंद समता, पाप उतर जाता है।

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड .-

AtoZpe.in